प्रेषक,

डा0 अनिता भटनागर जैन,
अपर मुख्य सचिव,
उ0प्र0 शासन।

सेवा में,

कुलसचिव,
किंग जार्ज चिकित्सा विश्वविद्यालय,
उ0प्र0 लखनऊ।

चिकित्सा शिक्षा अनुभाग-2 लखनऊः दिनांक 22 फरवरी, 2017

विषयः- वित्तीय वर्ष 2016-17 में आयोजनागत पक्ष में मानक मद-26-मशीनें और सज्जा/उपकरण और संयत्र मद में उपकरणों के क्रय हेतु वित्तीय स्वीकृति के सम्बन्ध में।

महोदय,

उपर्युक्त विषयक वित्त अधिकारी, के0जी0एम0यू0 के पत्रांक संख्या-2729/वित्त एवं लेखा/क्रय/2016, दिनांक 22-8-2016 के संदर्भ में मुझे यह कहने का निदेश हुआ है कि किंग जार्ज चिकित्सा विश्वविद्यालय, लखनऊ विभिन्न विभागों हेतु शासनादेश संख्या-2213/71-2-16-के0जी0एम0यू0-43/2014, दिनांक 25-5-2016 द्वारा अनुमोदित सूची में उल्लिखित उपकरणों के क्रय हेतु वित्तीय वर्ष 2016-17 में 26-मशीनें और सज्जा/उपकरण और संयत्र मद में आयोजनागत पक्ष के अंतर्गत प्राविधानित धनराशि के सापेक्ष रू0 1,36,19,74,750/- (रूपया एक अरब छत्तीस करोड़ उन्नीस लाख चौहत्तर हजार सात सौ पचास मात्र) को निम्नलिखित शर्तो/प्रतिबन्धों के अधीन अवमुक्त किए जाने की श्री राज्यपाल महोदय सहर्ष स्वीकृति प्रदान करते हैः-

1) वास्तविक आवश्यकता/उपयोगिता के आधार पर ही सम्बन्धित उपकरणों के क्रय की कार्यवाही चि0वि0वि0 स्तर से नियमानुसार सुनिश्चित की जायेगी।
2) स्वीकृत की जा रही धनराशि का आहरण तभी किया जायेगा, जब उपकरण क्रय संबंधी समस्त औपचारिकताओं की पूर्ति चि0वि0वि0 द्वारा कर ली जाये। आहरित धनराशि को पी0एल0ए0/बैंक/डाकघर आदि में किसी भी दशा में नहीं रखा जायेगा।
3) के0जी0एम0यू0 द्वारा प्रस्तावित उपकरणों का क्रय वित्तीय वर्ष 2016-17 में प्राविधानित धनराशि की सीमा तक ही किया जायेगा। वित्त विभाग के कार्यालय-ज्ञाप दिनांक 22-3-2016 में उल्लिखित दिशा-निर्देशों का पूर्ण अनुपालन किया जायेगा।
4) स्वीकृत धनराशि का व्यय वित्तीय हस्तपुस्तिकाओं के सुसंगत प्राविधानों, समय-समय पर शासन द्वारा निर्गत शासनादेशों के अनुरूप किया जायेगा। स्वीकृत धनराशि का आहरण एवं व्यय, आवश्यकतानुसार एवं नियमानुसार किया जायेगा।
5) स्वीकृत धनराशि का उपयोगिता प्रमाण-पत्र तीन माह में शासन को उपलब्ध कराया जायेगा। प्रस्तावित उपकरणों की गुणवत्ता, मानक एवं विशिष्टियों की जिम्मेदारी कुलसचिव/वित्त अधिकारी/संबन्धित विभागाध्यक्ष की होगी।
6) स्वीकृत की जा रही धनराशि का उपयोग जिस कार्य/मद हेतु किया जा रहा है, उसका उपयोग नियमानुसार उसी कार्य/मद में किया जायेगा।
7) निविदा निर्गत होने से पूर्व वित्त नियंत्रक द्वारा मुख्य चिकित्सा अधीक्षक/सम्बन्धित विभागाध्यक्ष से इस आशय का प्रमाण-पत्र प्राप्त कर लेगें कि प्रस्तावित उपकरण किसी एक विशेष कम्पनी की विशिष्टियॉ न हो तथा बाजार में उपलब्ध उच्च स्तर की कम्पनियों की विशिष्टियों (Technical Specifications) का यथासम्भव समावेश किया जाये।
8) वित्त नियंत्रक द्वारा सी0वी0सी0 एवं वित्त मंत्रालय भारत सरकार द्वारा समय-समय पर इस सम्बन्ध में निर्गत दिशा-निर्देशों का अनुपालन सुनिश्चित किया जायेगा।
9) प्राइज जस्टिफिकेशन संबंधी अभिलेख उपलब्ध कराना आवदेक विभागाध्यक्ष/मुख्य चिकित्सा अधीक्षक की जिम्मेदारी होगी।

1- यह शासनादेश इलेक्ट्रानिकली जारी किया गया है, अतः इस पर हस्ताक्षर की आवश्यकता नहीं है ।
2- इस शासनादेश की प्रमाणिकता वेब साइट http://shasanadesh.up.nic.in से सत्यापित की जा सकती है ।

10) विश्वविद्यालय के वित्त नियंत्रक/वित्त अधिकारी यह सुनिश्चित करेगें कि उपकरणों का क्रय किए जाने में व्यापक प्रचार प्रसार किया गया हो और उपकरणों का क्रय न्यूनतम मूल्य पर किया जाय।
11) उक्त उपकरणों का क्रय किए जाने के सम्बन्ध में समस्त औपचारिकताएं नियमानुसार पूर्ण किए जाने के पश्चात्, यदि उपकरण क्रय के पश्चात् धनराशि की बचत होती है तो उसे चालू वित्तीय वर्ष में क्रय किए जाने वाले अन्य उपकरणों में तदनुसार समायोजित किया जायेगा।
12) उपकरणों का क्रय सक्षम स्तर का अनुमोदन प्राप्त कर किया जायेगा। किसी भी स्थिति में स्वीकृत धनराशि से अधिक धनराशि का व्यय नहीं किया जायेगा।
13) कुलसचिव/वित्त नियंत्रक द्वारा क्रय हेतु भण्डार क्रय नियमों का पूर्ण पालन सुनिश्चित किया जायेगा।
14) वर्तमान वित्तीय वर्ष में उक्त निर्गत धनराशि का उपयोगिता प्रमाण पत्र (क्रयादेश/उपकरण स्थापना की सूचना सहित) यथासमय शासन को उपलब्ध कराया जायेगा।

2- धनराशि को कोषागार से वित्त अधिकारी, के0जी0एम0यू0, लखनऊ द्वारा आहरित किया जायेगा तथा बिलों पर महानिदेशक, चिकित्सा शिक्षा एवं प्रशिक्षण, उ0प्र0 लखनऊ के प्रतिहस्ताक्षर प्राप्त किये जायेंगे।

3- इस संबंध में होने वाला व्यय वित्तीय वर्ष 2016-17 के आय-व्ययक के अनुदान संख्या-31-चिकित्सा विभाग (चिकित्सा शिक्षा एवं प्रशिक्षण) के लेखाशीर्षक ''4210-चिकित्सा तथा लोक स्वास्थ्य पर पूंजीगत परिव्यय-आयोजनागत-03-चिकित्सा, शिक्षा, प्रशिक्षण तथा अनुसंधान-105-एलोपैथी-06-किंग जार्ज चिकित्सा विश्वविद्यालय, उत्तर प्रदेश-26-मशीनें और सज्जा/उपकरण और संयत्र'' के नामे डाला जायेगा।

4- यह आदेश वित्त विभाग के शासनादेश संख्या-1/2016/बी-1-746/दस-2016-231/2016, दिनांक 22 मार्च, 2016 द्वारा प्रशासकीय विभाग को प्रतिनिहित किये गये अधिकारों के अधीन निर्गत किये जा रहे हैं।

भवदीय,

(डा0 अनिता भटनागर जैन)
अपर मुख्य सचिव।

संख्या-16/2017/4595(1)/71-2-16-तद्दिनांक

प्रतिलिपि निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित:-

1) महालेखाकार, (लेखा एवं हकदारी) प्रथम/द्वितीय,उ0प्र0, इलाहाबाद ।
2) कोषाधिकारी, लखनऊ।
3) महानिदेशक, चिकित्सा शिक्षा एवं प्रशिक्षण, उ0प्र0 लखनऊ।
4) वित्त नियंत्रक, के0जी0एम0यू0, लखनऊ।
5) वित्त व्यय नियंत्रण अनुभाग-3/वित्त (आय-व्ययक) अनुभाग-2/नियोजन अनुभाग-4
6) स्थानीय निधि लेखा परीक्षा विभाग, उ0प्र0 लखनऊ।
7) प्रभारी अधिकारी, एन0आई0सी0, छठा तल, योजना भवन।
8) निजी सचिव, कुलपति, के0जी0एम0यू0, लखनऊ।
9) गार्ड फाइल।

आज्ञा से,

(नीलेश कुमार सिंह)
अनु सचिव।

1- यह शासनादेश इलेक्ट्रानिकली जारी किया गया है, अत: इस पर हस्ताक्षर की आवश्यकता नहीं है ।
2- इस शासनादेश की प्रमाणिकता वेब साइट http://shasanadesh.up.nic.in से सत्यापित की जा सकती है ।